शुकर दन्त वशीकरण सिद्धि प्रयोग

October 17, 2017

शूकर-दन्त वशीकरण सिद्धि प्रयोग

ऐसा बहुत प्राचीन समय से मान्यता है की विष्णु सम्प्रदाय में श्री विष्णु ने दसावतार लिए, इसमें से नव अवतार आ चुके हैं और आखरी कलयुगी अवतार आना बाकी है जिसका नाम है कल्कि। हमें यह पता चलता है की भगवन ने एक वाराह अवतार रखा था जिसमें उन्होनें एक सूअर का रूप धारण कर सृष्टि को अपने दांतों पर टिका लिया था, और प्रलय के समय जब बाढ़ और तूफ़ान आया तो सृष्टि के पालन-करता ने हमें इस अवतार के ज़रिये बचा लिया था।

शूकर-दन्त वशीकरण सिद्धि प्रयोग

वैसे तो शूकर को कोई अच्छा पशु नहीं माना जाता हिन्दू धर्म में। पर आपको यह जान के हैरानी होगी की अगर आप शूकर का कोई दांत अपने पास रखें, तो उससे सुख-समृद्धि प्राप्त होने की मान्यता जुड़ी हुई है। ऐसा माना जाता है की यह एक अत्यंत शक्तिशाली टोटका है और इसका प्रयोग असरदार होता है। यह पता करना तो आसान होगा की शूकर दन्त प्रयोग कितना प्रभावशाली है और उससे कितना अत्यधिक असर आपके व्यावहारिक जीवन पर पड़ता हैं, पर आप यह शूकर दन्त लाएंगे कहाँ से ? आप किसी कसाई की दूकान पर जाएं और उससे शूकर दन्त मांग लें तो आपको वह मिल जायेगा।

इसे प्राप्त करने के पश्चात इसे सिद्ध भी करना होगा और तब ही आपको इसका असर प्राप्त होगा, इसकी सिद्धि के लिए आपको मंत्र, पूजा और पाठ का सहारा लेना पड़ेगा। तो फिर शूकर दन्त वशीकरण टोटके और प्रयोग की विधि क्या है ? पहली बात तो ये की अगर आपको शुक्र दंत प्राप्त हो जाये तो फिर आप उसको किसी शुभ मुहूर्त पर ही धारण करें जैसे

की दीपावली, धनतेरस, दशहरा आदि। इससे आपके शूकर दन्त का प्रभाव बढ़ता है और शुभ मुहूर्त का शुभ फल चढ़ जाता है उस शूकर दन्त पर।

अगर आप किसी को वशीभूत करना चाहते हैं तो सवेरे उठnके नहा धो लें, साफ़ कपडे पहन लें और पूजा स्थल जो की घर है में जा के धूप-दीप जला दें, फूल और अक्षत चढ़ा कर पूजा करें। अगर घर में मंदिर नहीं है तो बाहर मंदिर जाकर विधि विधान से पूजा-अर्चना करें। अब आप अपने शूकर दन्त को गले में धारण करें और जिसको भी वशीभूत करना चाहते हैं उसके पास जाएं, वह आपको देखते ही आपके वश में हो जायेगा। ऐसी मान्यता है की शूकर दन्त जो पहन लेता है वह कभी हारता नहीं है, विजय प्राप्त करता है और हमेशा अजय रहता है। ऐसा व्यक्ति जहाँ भी जाता है उसे और उसके हितकारी लोगों के साथ शुभ कार्य ही होते हैं। वह लाभ ही लाभ उठाते हैं।

शूकर दन्त का प्रभाव सबसे अत्याधिक और असरदार होता है केवल बड़े त्योहारों पर क्योंकि इन पर मुहूर्तों का अच्छा संयोग होता है। इन दिनों यानी दिवाली, दशहरा और होली आदि को शूकर दन्त पहनना सबसे लाभ-दायक और ज़रुरतमंदों के लिए ठीक होता है।

शुक्र दन्त सिद्ध मंत्र

अगर आपके घर में कलह है, आप निजी परेशानियों से ग्रस्त हैं, घरेलू जीवन तहस-नहस हो रहा है, व्यापार में मंदी है, कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, बुरी हवाएं घर में आ गयी हैं या फिर क्षत्रु बाधा डाल रहे हैं तो फिर आपके लिए शूकर दन्त का अपनाना एक अच्छा उपाय है। आप ऐसा करें की शूकर दन्त कसाई के यहाँ जा कर ले आएं, अब अगले दिन सवेरे प्रातः काल यानी सवेरे ५ या ६ बजे उठ जाएं और नहा-धो लें, इसके बाद साफ़ वस्त्र धारण करें, अब पूजा स्थल पर जाएं जहाँ पर आपने शूकर दन्त पहले से रखा हुआ है।

इस दन्त को दाएं हाथ की मुट्ठी में रख लें, पलथी मार के बैठ जाएं और उसके बाद धूप-दीप जला कर पूजा की शुरुआत करें, पहले १०८ बार बताये हुए निम्नलिखित मंत्र को उच्चारित करें, जपते समय दन्त पर नज़र रखें और उस पर मुंह से फूंक मारते रहें। मंत्र होगा – " ओम ह्रीम क्लिम श्रीम वाराहः दन्तायह भैरवायह नमह " यह कार्य सिद्ध करने के बाद में इस दन्त का तावीज़ बनवा लें और उसके बाद उसको गले में पहनने लगें, यह करने के बाद आप पाएंगे की आपकी वशीकरण शक्ति काफी तेज़ हो गयी है।

शूकर-दन्त वशीकरण सिद्धि प्रयोग

इस तावीज़ के बहुत से लाभ हो जायेंगे और आप इनके ज़रिये अपनी सारी समस्याएं पर विजय प्राप्त करेंगे। सबसे पहला लाभ जो आप प्राप्त करेंगे वह होगा वशीकरण करने की शक्ति का। आप पाएंगे की वशीभूत करने की शक्ति आपके पास आ गयी है या फिर कई गुना बढ़ गयी है। अगर आप घर में कलह से परेशान हैं तो आपको उसमें भी धीरे-धीरे राहत मिलने लगेगी, आप पाएंगे की गृह-लक्ष्मी आ रही है और गृहस्त जीवन सुधर कर वापस खुश-हाल और खिला हुआ उमड़ता हुआ सा है। आपकी घरेलू समस्या जैसे छोटी छोटी बातों पर लड़ना आदि बंद हो जाएँगी और आप एक सफल जीवन जीने लगेंगे।

अगर आपके कोर्ट के चक्कर लग रहे हैं तो यह साधना बगलामुखी साधना से काम नहीं। आप पाएंगे की आपकी फाइल ऊपर रखी जा रही है, आपकी तारीखें जल्दी ही आने लगी हैं और आपके केस को जल्द ही समाप्त करने के लिये कोर्ट ही नहीं दूसरा पक्ष भी उत्सुक हो उठा है। अगर आपके क्षत्रु आपको परेशान करते हैं तो आप पाएंगे की धीरे-धीरे उनका काम तमाम हो रहा है, वे बिखर रहे हैं या फिर अपने आप ही आप में रूचि लेना बंद करते जा रहे हैं। उन्हें आपके काम में कोई दिलचस्पी नहीं और वे किसी और के पीछे लग गए हैं। अगर आप या आपके घर में कोई ऐसा व्यक्ति है जो रोग ग्रस्त है और अपने आपको इस बीमारी के चंगुल से निकलने में सफल नहीं है तो आप यह कार्य संपन्न करें और देखें कैसे आपका कार्य पूरा होता है और आप एक सुखद जीवन की ओर बढ़ चलते हैं।

अगर आपके व्यापार में मंदी आ रही है और आपकी लाख कोशिशों के बावजूद आप यह पाते हैं की कोई फरक नहीं आता तो आप ऐसा करें की यह कार्य पूरा करें और देखें किस तरह धीरे-धीरे आपका धंदा वापस चल पड़ेगा। इसी तरह आपको अगर कोई और समस्या हो तो वह भी इस उपाय से निवृत हो जाएगी। तो हमने आपके समक्ष आज एक बहुत ही असरदार विधि रखी है, आपको बस करना ये होगा की आप इसका पालन ध्यानपूर्वक करें, और कोई शंका होने पर किसी अच्छे ज्योतिषी या तांत्रिक से सलाह कर लें ताकि कोई गलती नहीं हो।

शूकर-दन्त वशीकरण मन्त्र

शूकर दन्त प्रयोग, शुक्र दन्त सिद्धि मंत्र , शूकर-दन्त वशीकरण विधि- शूकर दन्त यानि सूअर का दांत, जिसका इस्तेमाल वशीकरण से लेकर जादू-टोटके व तंत्र-मंत्र साधना मे भी किया जाता है। शायद इसके प्रयोग के बारे मे आपको ज्यादा न पता हो, तो आज हम आपको इसके प्रयोग व मंत्र साधना के बारे मे बताएँगे कि आखिर कैसे शूकर दन्त भी आपके लिए काफी मददगार हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु ने धरती को बचाने के लिए बारह अवतार लेकर पाताल मे से धरती को अपने दांतो से उठाया था और फिर उसी समय से शूकर दत्त का प्रयोग तंत्र-मंत्र विद्या साधना और वशीकरण में किया जा सकता है। वैसे ये थोड़ा अजीब लगता है कि जिस पशु को आम तौर पर इंसान पसंद नहीं करता उसी के दांत का इतना महत्व है।

जैसे की हर इंसान के जीवन और घरों मे एक नहीं अनेक समस्याए होती है, जिसके चलते काफी परेशानी होती है। हम सभी उन परेशानियों को दूर करने के लिए अलग-अलग उपाय करते है। उनही उपाय मे से शूकर दन्त भी एक अच्छा विकल्प बनकर सामने आता है। चाहे समस्या किसी शत्रु से हो या किसी रोग से आप इसका इस्तेमाल कर सकते है।

ऐसा माना गया है कि मंत्र के द्वारा सिद्ध हो चुके सूअर के दांत को अगर व्यक्ति के पुराने कपडे में लपे दिया जाये और फिर उसे बहते पानी में डाल दिया जाये तो, उससे भूत-प्रेत की समस्या दूर हो जाती है। अगर आप गरुड़ वृक्ष की 1 इंच लकड़ी को 1 बराबर हिस्सों में काट दे, फिर उसे एक सूअर के दांत के साथ घर के चारो अलग-अलग जगह मे जमीन में गाढ़ दे। ऐसा करने से आपके घर मे भूत-प्रेत का साया खतम हो जाएगा।

अब हम आपको उस साधना विधि के बारे मे बताते है जिसमे शूकर-दंत का इस्तेमाल होता है और इस विशेष मंत्र भी है इस साधना को पूर्ण करने के लिए। **मंत्र: “ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं नृम ठं ठं नमो देव पुत्री स्वर्ग निवासिनी,सर्व नर नारी मुख वार्तालीं,वार्ता कथय,सप्त समुद्रान दर्शय दर्शय,ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं नृम ठं ठं फट स्वाहा:”।** शुक्रवार के दिन साधना को शुरू करे। विधि को करने के लिए सबसे पहले शूकर दंत को आप अपने आसन के नीचे रखे दे। साथ में सेई का काटा भी रखिये। दक्षिण दिशा की ओर मुख करके साधना करे। ध्यान रहे की आपका आसन लाल रंग का होना चाहिए व मंत्र जप के लिए रुद्राक्ष या लाल हकीक की माला का इस्तेमाल करे। यहां सिर्फ आसान ही नहीं बल्कि आपका वस्त्र, परिधान भी लाल रंग का ही हो, फिर अपने सामने सामने तेल का दीपक जला ले व उसमे कोई सुगन्धित इत्र डाल ले। साथ मे आप धूप भी जला सकते है। बताए गए मंत्र का रोज आपको 21 माला जप करना होगा। इस साधना को करके आप अपनी इच्छा पूर्ण कर सकते है।

एक अन्य मंत्र है: “ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं वाराह-दन्ताय भैरवाय नमः।” इस मंत्र से जुड़ी खास बात ये है की आप इसे होली, दीपावली या दशहरा त्योहार मे ही करें, जिससे विशेष लाभ होता है। मंत्र का आपको 108 बार जप करना होता है। मंत्र के माध्यम से इसे सिद्ध करने के बाद आप इसका ताबीज बनाकर गले में पहन सकते है। ताबीज पहनने के बाद

आपको किसी भी प्रकार के जादू-टोने व भूत-प्रेत के प्रभाव से छुटकारा मिल जाता है। आप किसिकों अपने वश मे भी कर सकते है। ताबीज़ को पहनने आपको और भी लाभ मिलते है, जैसे कि कोई व्यक्ति काफी समय से किसी मुकदमे-बाजी मे फंसा है जिसकी वजह से उसे बार-बार अदालत के चक्कर लगाने पड़ रहे है और काफी परेशानी आ रही है तो इस ताबीज़ को पहनने से कोर्ट कचहरी के मामले मे आपको सफलता मिलेगी।

शूकर-दंत के ताबीज़ को पहनने से व्यक्ति को अपने सभी शत्रुयों से भी मुक्ति मिल जाती है और खुद पर खुद सारी परेशानी नष्ट हो जाती है। ये ताबीज़ व्यक्ति के स्वप्नदोष को दूर करने के साथ उसके अन्य रोगों को भी खतम करता है। इन सबके अलावा अगर किसी व्यक्ति के जीवन मे प्रेम से संबंधित समस्या चल रही है तो भी वो व्यक्ति मंत्र द्वारा शूकर-दंत को सिद्ध करके पहन ले तो उसे अपने प्रेम संबंधों में आने वाली सभी परेशानी दूर हो जाती है और व्यक्ति को सफलता मिलती है। उसके शीघ्र विवाह होने के आसार भी बनाने लगते है। कई लोग ऐसे भी है जिनहे अपने व्यपार को ऊचे स्तर तक ले जाना है, पर तमाम कोशिशों के बाद भी सफल नहीं हो पा रहे तो वो लोग शूकर-दंत को अपने व्यापार स्थल या कार्यस्थल के बाहर लगा सकते है।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर कहां से सूअर के दांत मिलता है, तो इसे आप किसी भी कसाई की दुकान से जाकर ले सकते है। एक बार अगर आप इसे सिद्ध कर लेते है तो फिर इसके फायदे को देख सकते है और अपनी तमाम परेशानियों से निजात पा सकते है। इसकी सबसे अच्छी बात ये है कि शूकर-दंत की तंत्र-मंत्र साधना काफी आसान है जिसे आप आराम से कर सकते है और इसके फायदा पा सकते है।

#अघोर